उसको मेरी सेवा का अधिकार है,
करता जो अपनी माँ से प्यार है,
उसको ही मिलता ये दरबार है,
करता जो अपनी माँ से प्यार है।।

तर्ज साजन मेरा उस पार है।

मुझको तो छप्पन भोग लगाते हो,
माँ को एक रोटी को तरसाते हो,
ऐसे बेटे को तो धिक्कार है,
करता ना अपनी माँ से प्यार है,
उसको मेरी सेवा का अधिकार हैं,
करता जो अपनी माँ से प्यार है।।

मेरा दरबार बड़ा ही सजाते हो,
माँ को एक कमरा ना दे पाते हो,
उसका तो जीवन ही बेकार है,
करता ना अपनी माँ से प्यार है,
उसको मेरी सेवा का अधिकार हैं,
करता जो अपनी माँ से प्यार है।।

मुझको तो अपने घर में लाते हो
माँ को वृद्धाश्रम में छोड़ आते हो
ऐसा घर मुझको ना स्वीकार है

करता ना अपनी माँ से प्यार है,
उसको मेरी सेवा का अधिकार हैं,
करता जो अपनी माँ से प्यार है।।

दर्शन को तेरे माँ ये तरसी है,
आजा मिलने को तुझपे मरती है,
तेरे आने के ना आसार है,
फिर भी क्यों तेरा इंतजार है,
बेशक तू मेरा गुनहगार है,
फिर भी मुझको तो तुझसे प्यार है,
फिर भी मुझको तो तुझसे प्यार है।।

Singer : Sanjay Agrawal,
Raigarh (C.G),
Mobile No. 8109459555,

Sent By : Pradeep Singhal Jind Wale
Mobile No.9210016948

Source: https://www.bharattemples.com/usko-meri-sewa-ka-adhikar-hai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw